मोहयाल मित्र

जी.एम.एस. द्वारा

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

13वाँ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह 4 दिसंबर 2016 को मोहयाल फ़ाउंडेशन में आयोजित किया गया। इसमें देश भर के उन मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित और पुरस्कृत किया गया जिन्होंने दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड की परीक्षाओं में 85 प्रतिशत और अधिक अंक प्राप्त किए थे। यह सम्मान सन् 2004 में शुरु किया गया था जो जनरल मोहयाल सभा की ओर से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मान को प्रत्येक मोहयाल विद्यार्थी प्राप्त करना चाहता है। इसकी प्रतिष्ठा और विशिष्टता बनी है। परिवारों में यह प्रतिस्पर्धा का कारण बन गया है। इसे प्राप्त करने के लिए दसवीं और बारहवीं कक्षाओं के विद्यार्थी खूब परिश्रम करते हैं और उनके माता–पिता उन्हें इसे पाने के लिए प्रेरित करते हैं।

सर्वप्रथम ले.जन. जी.एल. बक्शी (सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट) द्वारा मोहयाल ध्वज फहराया गया। श्रीमती नीलिमा दत्ता मेहता ने मोहयाल प्रार्थना पढ़ी। इसमें देश के कोने–कोने से आए मोहयालों ने भाग लिया।

ले.जन. जी.एल. बक्शी, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री अशोक लव, श्री योगेश मेहता, श्री अश्वनी बक्शी और श्री जे.पी. मेहता आदि ने दीप प्रज्वलित किया। जीएमएस के अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी बाली स्वर्गीय डॉ. भाई महावीर के दाह–संस्कार में शामिल होने गए थे। उनकी अनुपस्थिति में समारोह की अध्यक्षता ले. जनरल जी.एल. बक्शी ने की। 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के संयोजक श्री अशोक लव ने इस सम्मान को आरंभ करने की पृष्ठभूमि के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि आरंभ में 75 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता था। आज विद्यार्थियों के 90 प्रतिशत से अधिक आना सामान्य हो गया है इसलिए अब इसे 85 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ–साथ कुछ वर्षों से भाषण प्रतियोगिता भी शुरु की गई है। मोहयाल विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए और मुख्य–धारा से जोड़ने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। हम तेरहवाँ सम्मान समारोह आयोजित कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अलग–अलग पुरस्कारों की जानकारी भी दी।

ले. जन. जी.एल. बक्शी ने अपने स्वागत भाषण में विद्यार्थियों और उनके माता–पिता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीएमएस की सभी योजनाओं में युवाओं को प्रोत्साहित किया जाता है। प्रतिभाशाली विद्यार्थी भविष्य में समाज के श्रेष्ठ नागरिक बनें मेरी यही कामना है।

श्री अशोक लव ने विद्यार्थियों को सम्मानित करने का सिलसिला शुरु किया। सर्वप्रथम बारहवीं कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले एक छात्र और एक छात्रा को श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट) द्वारा अपने माता–पिता की स्मृति में आरंभ किया पुरस्कार 'श्रीमती केसरा देवी और मेहता तीर्थ राम ट्रस्ट' प्रदान किया गया। श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव) द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को 'श्री सुनहरी लाल छिब्बर स्मृति', 'श्री मोहन लाल छिब्बर स्मृति' और 'श्रीमती शन्नो देवी छिब्बर' पुरस्कार प्रदान किए गए।

तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को श्री पी.के. दत्ता द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके पश्चात विद्यार्थियों को अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इसका विस्तृत विवरण आगे दिया गया है।

रायज़ादा बी.डी. बाली, श्री एल.आर. वैद, श्री एस.के. छिब्बर और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर स्वर्गीय डॉ. भाई महावीर को श्रद्धांजलि अर्पित करके आ गए।

दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को रायज़ादा बी.डी. बाली ने सम्मानित किया। प्रत्येक विद्यार्थी को जी.एम.एस की ओर से सम्मान–पत्र और पेन सेट भेंट किया गया। श्री ओ. पी. मोहन की ओर से बाल्मीकि रचित 'रामायण' पुस्तक भेंट की गई, जिसका संपादन श्री अशोक लव ने किया था।

सम्मान–समारोह के पश्चात भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री अशोक लव ने भाषण के तीनों विषयों की

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जानकारी दी। तीन निर्णायक मनोनीत किए गए। इसमें छह विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने प्रभावशाली ढंग से भाषण दिए जिनका स्वागत श्रोताओं ने तालियाँ बजाकर किया। रायज़ादा बी.डी. बाली विद्यार्थियों की भाषण प्रतिमा से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को बुलाकर उनकी पीठ थपथपाई। जनरल मोहयाल सभा की ओर से प्रथम पुरस्कार 2100 रु., द्वितीय पुरस्कार 1500 रु. और तृतीय पुरस्कार 1100 रु. प्रदान किए गए।

रायज़ादा बी.डी. बाली ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जनरल मोहयाल सभा युवाओं को अपने साथ जोड़ना चाहती है। प्रतिभाशाली सम्मान इसीलिए शुरु किया गया था। हमारे लिए खुशी की बात है कि इस कार्य से सैंकड़ों युवा जनरल मोहयाल सभा के साथ जुड़ गए हैं। आज जिन बच्चों ने भाषण दिए हैं उससे पता चलता है कि आज के मोहयाल बच्चे कितने प्रतिभावान हैं। हमें आप पर गर्व है। आपने जो सुझाव दिए हैं हम उन पर विचार करेंगे। युवाओं की सोच बदली है। वे नई तकनीकों से जुड़े हुए हैं। आप अपने विचार हमें बताएँ। हम इन पर विचार करेंगे, जो काम किए जा सकते हैं उनको ज़रूर करेंगे। विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत अच्छे सुझाव आए हैं। आपके माता–पिता ने आपके साथ बहुत मेहनत की है। उन्हें भी बहुत–बहुत बधाई!

रायज़ादा बी.डी बाली ने डॉ. भाई महावीर की सादगी और विद्वता के विषय में बताते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हमारी बिरादरी में ऐसे महान व्यक्ति हुए हैं।

आज का कार्यक्रम आरंभ करने से पूर्व श्री अशोक लव ने डॉ. भाई महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला था। उपस्थित मोहयालों ने खड़े होकर स्वर्गीय डॉ. भाई महावीर को श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान–2016 के समारोह के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का लोकर्पण एक साथ ले.जन. जी.एल. बक्शी, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री अशोक लव, डॉ. रत्तन दत्ता, श्री योगेश मेहता, श्री अशवनी बक्शी ने किया। श्री पी. के. दत्ता के सौजन्य से प्रकाशित स्मारिका का संपादन श्री अशोक लव ने किया था।

कार्यक्रम के मध्य में जनरल मोहयाल सभा के पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट श्री ओ.पी. मोहन आ गए। रायज़ादा बी.डी. बाली ने उनका स्वागत किया। श्री अशोक लव द्वारा संपादि वाल्मीकि रचित 'रामायण' का लोकार्पण रायज़ादा बी.डी. बाली से और श्री ओ.पी. मोहन ने किया। श्री ओ.पी. मोहन ने प्रत्येक विद्यार्थी को इसकी प्रति भेंट की।

जनरल मोहयाल सभा के सेक्रेटरी जनरल ले.कर्नल एल.आर. वैद ने देश के कोने–कोने से आए मोहयालों का धन्यवाद किया। उन्होंने सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और उनके माता–पिता को बधाई दी। उन्होंने श्री अशोक लव को कार्यक्रम का सफल आयोजन–संचालन करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने ही सन् 2004 में इसकी शुरूआत की थी। जीएमएस के साथ इसके माध्यम से बच्चे युवा और उनके माता–पिता जुड़ गए हैं।

कार्यक्रम के अंत में मोहिनी मेहता ने प्रतिभाशाली सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के विचार जानें जिन्हें वीडियो में सुरक्षित रखा गया है। इसमें विद्यार्थियों ने खुलकर जी.एम. एस. की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व हो रहा है कि वे मोहयाल हैं और जनरल मोहयाल सभा उनकी संस्था है।

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर ने शांति पाठ किया। इसके पश्चात सब प्रीति–भोज में शामिल हुए।

श्री अशोक लव ने व्यक्तिगत रूप से रायज़ादा बी.डी. बाली का धन्यवाद किया जिनके कुशल मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम चल रहा है। श्री पी.के. दत्ता और उनकी टीम का भी धन्यवाद किया। कैप्टन डोभाल और आफिस के सभी कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया।

पुरस्कार-

1. श्रीमती केसरा देवी और मेहता तीर्थ राम मोहन ट्रस्ट श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस.) द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बारहवीं के छात्र–छात्रा

छात्र- आदित्य मेहता दत्ता (अंक 96.4 प्रतिशत)
पुरस्कार राशि– पाँच हज़ार रुपए और गोल्ड मेडल

छात्रा- महिका छिब्बर (95.2 प्रतिश)
पुरस्कार राशि– पाँच हज़ार रुपए और गोल्ड मेडल

2. श्री सुनहरी लाल छिब्बर की स्मृति में स्थापित
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाला कक्षा बारहवीं का छात्र–
वंश मोहन (95.20 प्रतिशत)
पुरस्कार राशि– 2100 रुपए और स्मृति चिह्न

श्री मोहन लाल छिब्बर की स्मृति में स्थापित
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा बारह की छात्रा–
विभूति मेहता मोहन (94.60 प्रतिशत)

श्रीमती शन्नो देवी छिब्बर की स्मृति में स्थापित
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा बारह की छात्रा–
दिव्या छिब्बर (94.60 प्रतिशत)
विभूति मेहता मोहन और दिव्या छिब्बर को पुरस्कार राशि–
2100–2100 रुपए और स्मृति चिह्न
द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और स्मृति चिह्न श्री एस.के. छिब्बर (वित्त सचिव, जीएमएस) द्वारा दिए गए।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

3. प्रोत्साहन के लिए बारहवीं कक्षा के एक छात्र और एक छात्रा को पुरस्कार श्री पी.के. दत्ता (वाइस प्रेज़ीडेंट, जीएमएस)
द्वारा छात्र– दक्ष बक्शी वैद, (95 प्रतिशत)
पुरस्कार राशि– 2000 रु.
छात्रा– रिया वैद (94.20 प्रतिशत)
पुरस्कार राशि– 2000 रुपए

4. पुनीत दत्ता मीमोरियल एजूकेशन ट्रस्ट
श्रीमती अचला दत्ता और श्री जितेंद्र दत्ता द्वारा स्थापित कंप्यूटर साईस/आई.टी. विषय

दसवीं कक्षाः
छात्रा- श्रेया छिब्बर, पुरस्कार राशि–2000 रुपए स्मृति चिह्न
छात्र- बैकुंठ बक्शी छिब्बर,पुरस्कारराशि–2000रु. स्मृति चिह्न

बारहवीं कक्षाः
छात्र- आदित्य मेहता दत्ता (97 प्रतिश) पुरस्कार राशि– 3000 रुपए, स्मृति चिह्न
छात्रा- दिव्या छिब्बर (96 प्रतिशत) पुरस्कार राशि– 3000 रुपए स्मृति चिह्न

5. श्री बलदेव राज बाली और श्रीमती बिमला बाली की स्मृति में श्री रवि दत्त बाली (फरीदाबाद द्वारा) 12 कक्षा में कॉमर्स विषयों में प्रथम स्थान
छात्रा- महिका छिब्बर (95 प्रतिशत) पुरस्कार राशि–5000 रु.

6. बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत और अधिक अंक लाने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को श्री रमेश दत्ता (प्रेज़ीडेंट मो.स. फरीदाबाद) द्वारा पाँच–पाँच सौ रुपए (कुल 20 विद्यार्थी)

1. आदित्य मेहता दत्ता	2. महिका छिब्बर
3. वंश मोहन	4. दक्ष बक्शी वैद
5. विभूति मेहता मोहन	6. दिव्या छिब्बर
7. अर्जुन बक्शी वैद	8. रिया वैद
9. साहिल वैद	10. दीप्ति दत्ता
11. ऋद्धि दत्ता	12. लावण्या वैद
13. किष्किंधा दत्ता	14. रोहन दत्ता
15. निकिता मोहन	16. इशिता दत्त
17. अनुरीतिका दत्ता	18. वरुण मेहता छिब्बर
19. रीया वैद	20. रोहन दत्ता

7. दसवीं कक्षा में CGPA 10.0 पाने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को श्री विनोद दत्त (वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस.) एक–एक हजार रुपए (कुल 20 विद्यार्थी)

1. सक्षम बक्शी लौ	2. आर्यन बक्शी लौ
3. अंकुर दत्ता	4. छवि बक्शी लौ
5. मनीषा मेहता	6. मिल्की दत्ता
7. मृदुला वैद	8. रिया मेहता लौ
9. रिया दत्त	10. ऋषिका छिब्बर
11. प्रेरणा मोहन	12. प्रणति दत्ता
13. शिवांशी दत्ता	14. तक्ष छिब्बर
15. वत्तन बाली	16. वंशिका बाली
17. सत्यम शर्मा लौ	18. निशिता वैद
19. स्मृति छिब्बर	20. दिव्या मोहन

8. कैप्टन शिव दत्त मेहता (छिब्बर) अवार्ड फ़ॉर एक्सीलेंस इन ह्यूमेनीटीज
(बारहवीं कक्षा में मानविकी ह्यूमेनिटीज़) विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को)
मोहिनी मेहता छिब्बर द्वारा
छात्रा- दीप्ति दत्ता, पुरस्कार राशि– 5000 रुपए
(यह पुरस्कार इसी वर्ष आरंभ किया गया है।)

9. कक्षा बारह में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को श्री आर.टी. मोहन द्वारा 'अफ़गानिस्तान रीविज़िडेट' पुस्तक भेंट की गई।

10. श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट जीएमएस) द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी को वाल्मीकि रचित 'रामायण' की प्रति पुरस्कार के रूप में भेंट की गई।

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान-2016

विद्यार्थियों के लिए संदेश

■ बच्चे हमारी अमूल्य संपदा हैं। हमारी जीवंत बिरादरी के और सक्रिय सदस्य बनने के लिए उन्हें प्रोत्साहित और प्रेरणा देने की आवश्यकता है। सभी सम्मानित मोहयाल विद्यार्थियों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई!

रायज़ादा बी.डी. बाली, *अध्यक्ष, जीएमएस*

■ मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्हें और उनके माता–पिता और अभिभावकों को बधाई! जीवन छोटी दूरी की दौड़ नहीं है बल्कि लंबी दूरी की दौड़ है। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने और सफलता पाने के लिए निरंतर परिश्रम करने की आवश्यकता होती है।

ले.जन. जी.एल. बक्शी, *वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जी.एम.एस.*

■ मोहयाल विद्यार्थी सम्मान–2016 के लिए चुने जाने के लिए आप सबको बधाई! भविष्य में भी इसी प्रकार श्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहने के लिए शुभकामनाएँ। मुझे विश्वास है कि आप स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाओं में और श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें उन शिक्षकों को भी स्मरण चाहिए जिन्होंने आपकी इस उपलब्धि के लिए महत्वपूर्ण योगदान किया। आपके माता–पिता को भी आप पर गर्व हो रहा होगा।

पी.के. दत्ता, *उपाध्यक्ष, जी.एम.एस.*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

■ प्रतिष्ठित प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान प्राप्त करने के लिए आप सबको बधाई! इस अवसर पर आपके योग्य और आपकी उपलब्धियों के लिए समर्पित आपके माता–पिता को भी बधाई जिनके आशीर्वाद और शुभकामनाओं से आपने इस महत्वपूर्ण सम्मान को प्राप्त किया है। सदा याद रखें 'विकास ही जीवन है।'

बी.एल. छिब्बर, *आई.आर.एस. (रिटा.), उपाध्यक्ष, जीएमएस*

■ मैं 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ ताकि वे देश और मोहयाल बिरादरी की सेवा कर सकें। सम्मानित हो रहे विद्यार्थियों के माता–पिता को भी बधाई। ये अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरक होंगे। मोहयाल बिरादरी को इन पर गर्व है।

विनोद दत्त, *सदस्य मैनेजिंग कमेटी, जीएमएस*

■ '13वें प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के लिए चुने जाने पर आपको बधाई! हमें आप पर गर्व है और विश्वास है कि आप अपनी भावी परीक्षाओं में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहेंगे।

ले.कर्नल एल.आर. वैद, *सेक्रेटरी जनरल, जी.एम.एस*

■ बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए आप सबको बधाई! आपने जो अनथक परिश्रम किया और पढ़ाई को समर्पित रहे, उसी का परिणाम है कि आज आप यह सम्मान प्राप्त कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि आपने माता–पिता और योग्य शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में अध्ययन किया था। आप भविष्य में भी इसी तरह परिश्रम करते रहें और अपने माता–पिता तथा मोहयाल बिरादरी को गौरवान्वित करते रहें।

अशोक लव, *संयोजक, प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान*

■ इस अवसर पर मैं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उनके योग्य माता–पिता तथा विद्वान शिक्षकों को बधाई देता हूँ। आपके परिश्रम और अध्ययन के लिए समर्पण ने आपको यह सम्मान दिलाया है। आपके माता–पिता सौभाग्यशाली हैं जिन्हें आप जैसी प्रतिभाशाली संतान मिली है। अब आप इसी प्रकार परिश्रम करके सुअवसरों का लाभ उठाकर उज्ज्वल भविष्य बनाएँ।

सुशील कुमार छिब्बर, *वित्त सचिव, जीएमएस*

धर्मशाला-कांगड़ा में मोहयाल सभा बनेगी

धर्मशाला-कांगड़ा में इस समय मोहयाल सभा नहीं है। मैं फरीदाबाद मोहयाल सभा की कार्यकारिणी का सदस्य था। अब मैं स्थायी रूप से धर्मशाला में रहने लगा हूँ। मेरी इच्छा है कि धर्मशाला-कांगड़ा में मोहयाल सभा बनाई जाए। इन क्षेत्रों में रहने वाले मोहयालों से अनुरोध है कि वे मुझसे संपर्क करें। मेरा पता है-

BALRAM DUTT
Anjana Gurang Niwas, H.No.12, Lower Barol, Near I.T.I., P.O.-Dari, Dharamshala-Kangra (Himachal Pradesh) (M) +91-8628895597

भाषण प्रतियोगिता

'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके विषय थे–

1. जनरल मोहयाल सभा चाहती है कि धन की कमी के कारण कोई भी मोहयाल बालक–बालिका शिक्षा पाने से वंचित न रह जाए। हमने 'एक बालक–बालिका गोद लें' योजना शुरू की है। इस योजना को लागू करने के लिए अपने सुझाव दें।
2. जनरल मोहयाल सभा युवा विधवाओं को तकनीकी या अन्य प्रशिक्षण देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकती है?
3. बिरादरी की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मोहयाल युवाओं को किस प्रकार प्रेरित किया जा सकता है?

निर्णायकः 1. श्रीमती नीलिमा दत्ता मेहता (नई दिल्ली) 2. श्रीमती सुमन छिब्बर (पानीपत) 3. श्रीमती संगीता दत्ता (पानीपत)

प्रतिभागी विद्यार्थी

1. विभूति मोहन (कक्षा बारह) 2. रिया वैद (कक्षा बारह) 3. तक्ष मेहता (कक्षा दस) 4. लावण्या बक्शी (कक्षा बारह) 5. पराग दत्ता (कक्षा दस) 6. प्रखर दत्ता (कक्षा बारह)

विजेता

प्रथम : लावण्या दत्ता (पुरस्कार राशि– 2100 रु.)
द्वितीय : विभूति मोहन (पुरस्कार राशि–1500 रु.)
तृतीय : प्रखर दत्ता (पुरस्कार राशि– 1100 रु.)

सांत्वना पुरस्कारः 1. रिया वैद 2. तक्ष मेहता 3. पराग दत्ता प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जनरल मोहयाल सभा की ओर से पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक विद्यार्थी को 500–500 रु. श्री योगेश मेहता द्वारा दिए गए।

जातिगत विवरण

सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा दस)			सीनियर सेकेंडरी परीक्षा (कक्षा बारह)		
जाति	छात्र	छात्राएँ	जाति	छात्र	छात्राएँ
बाली	3	3	बाली	4	1
भिमवाल	0	0	भिमवाल	1	0
छिब्बर	4	9	छिब्बर	2	4
दत्ता	4	7	दत्ता	4	7
लौ	3	4	लौ	0	0
मोहन	0	3	मोहन	2	2
वैद	2	2	वैद	2	5

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 25 नवंबर 2016 को श्री जतिंदर मेहता जी के दत्ता कालोनी स्थित निवास स्थान पर श्री अशोक छिब्बर जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, मोहयाल प्रार्थना और गायत्री वंदना के पश्चात श्री शाम सुंदर बाली जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया, उनका निधन 13 नवंबर 2016 को यमुनानगर में हो गया था वे श्री नरिंदर छिब्बर के मौसेरे भाई थे। आज श्री जितेंद्र मेहता जी की बिटिया का जन्मदिन था सभी सदस्यों ने परिवार को बधाई दी तथा गुड़िया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सदस्यों को जनरल मोहयाल सभा की ए.जी.एम. की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि सभी ने मौजूदा जीएमएस प्रधान में अपनी पूरी आस्था व्यक्त की सदस्यों को सूचना दी गई कि 27 नवंबर 2016 को मोहयाल सभा खन्ना की ओर से कैरियर तथा उद्योग लगाने संबंधी सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है अतः इसमें अधिक से अधिक संख्या में इच्छुक भाग लेकर लाभ उठा सकते हैं।

सभा में सदस्यों को सूचित किया गया कि आगामी 4 दिसंबर 2016 को नई दिल्ली में प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित होगा, इसमें अभिभावक अपने बच्चों सहित सम्मिलित हों, ताकि उन्हें इससे प्रेरणा मिल सके। मीटिंग में श्री भूपिंदर दत्ता जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई, सभा के आयोजन के लिए श्रीमती व श्री जतिंदर मेहता जी का धन्यवाद किया गया।

***नरिंदर छिब्बर,** (मो.) 9416412184*

कविता

ब्रह्मज्ञान की पावन सरिता में,
जब गोता मोहियाल लगाते हैं।
इच्छा शेष न रहती कोई,
मलिन मन पावन हो जाता है।
सप्तऋषि का ज्ञान का अमृत रस पीकर,
कर्म बंधन कट जाते हैं।
आत्मा पर लगे हुए तब, सभी बुराई का,
आवरण हट जाता है।
फिर भक्त का भगवान से, 'मोहियालों',
का सभी मोहियालों से,
मधुर प्रेम मिलन हो जाता है।
भक्त प्रभु का यही मिलन,
मोहियाल मिलन का महाकुंभ कहलाता है।

***एम.एम. मेहता,** एमएस देहरादून*
मो. 9557016428

होशियारपुर

मोहयाल सभा पंजीकृत होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कालोनी ऊना रोड में हुई। इस अवसर पर भाई मतिदास व सतिदास को

श्रद्धांजलि दी गई। शशपिन्द्र बाली जी ने बताया कि गांव नगल खुर्द में गुरू तेग बहादुर जी की शहीदी पर्व मनाया गया। उन्होंने सभा में सभी को कड़ाह प्रशाद की देग वितरित की। अश्विनी दत्ता जी की पुत्री अन्शुम दत्ता ने दसवीं की परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं जो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवार्ड प्राप्त करने दिल्ली गई हैं, को फोन पर बधाई दी गई।

प्रधान जी ने कहा कि मोहयाल भवन में मासिक मीटिंग में अधिक से अधिक मोहयालों को भाग लेना चाहिए, ताकि सभा को और संगठित किया जा सके।

इस अवसर पर मनोज दत्ता, सुभाष चन्द्र दत्ता, शशपिन्द्र बाली, बरिन्द्र दत्त वैद, ओंकार बाली, पी.पी. मोहन, पवन मेहता, के.सी. दत्ता, डॉ. ओ.पी. दत्ता, डी.सी. दत्ता, एस.पी. दत्ता, विजयंत बाली, जगमोहन मेहता, अरविन्द मैहता और दिनेश दत्ता शामिल थे। सभा समाप्त हुई।

मनोज दत्ता व विजयंत बाली

प्रेमनगर-देहरादून

सभा के मासिक बैठक दिनांक 30 अक्टूबर 2016 दिन रविवार को श्री जगजीत सिंह दत्ता जी कोषाध्यक्ष के निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात् सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई।

श्री जगजीत सिंह दत्ता ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया तथा श्री राजेश बाली सचिव ने पिछली माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिसका सभी ने अनुमोदन किया। सभा में उपस्थित श्री कमल रत्न वैद ने श्री संकल्प मेहता सुपुत्र मेहता वेद प्रकाश मोहन जी के स्वास्थ्य के बारे में सूचना दी। सभी ने उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्री कमल रत्न वैद जी ने सभा को 2100 रुपए तथा श्री राजेश बाली ने 500 रुपए सभा को दान स्वरूप भेंट किए।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती एवं श्री जगजीत दत्ता को सभी सदस्यों ने जलपान के लिए धन्यवाद दिया और सभा समाप्त की घोषणा की।

राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

स्त्री मोहयाल यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती सुनिता दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ सभा में कार्यवाही शुरु हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया श्रीमती कमला दत्ता जी ने मीटिंग की अध्यक्षता की।

सभा में सभी बहनों ने एक महिला को आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव पास किया। सबने 100 रुपए दान दिए। श्रीमती कमला दत्ता (अध्यक्ष) की बहन जो कनाडा से आयी है उन्होंने भी एक वर्ष के लिए उस महिला को आर्थिक सहयता दी। सभी सदस्यों ने नववर्ष के लिए मंगलकामना की रायज़ादा बी.डी. बाली और जीएमएस के सभी सदस्यों को नवर्ष की बधाई भेजी है मोहयाल बिरादरी ऐसे ही अपनी बिरादरी के लिए कार्यरत रहे।

सभा में सभी बहनों ने श्रीमती सुनिता दत्ता जी के बेटे (लक्की) और बहु (एकता) की शादी की सालगिरह पर बधाई दी भगवान उनकी जोड़ी को दीर्घायु करे। इस मौके पर श्रीमती सुनिता जी ने 250 रु. स्त्री सभा यमुनानगर को भेंट दिए। सभी बहनों ने प्रीति–भोज का आनन्द लिया।

श्रीमती संगीता ने अपने देवर की क्रिया पर 200 रुपए सभा को भेंट किए। श्रीमती उषा दत्ता ने 1200 रु. अपनी सभा को 100 रु. प्रतिमाह महिला की आर्थिक सहायता के लिए दान दिए।

शोक समाचारः श्री प्राणनाथ मेहता का निधन 20 अक्तूबर 2016 को कुरूक्षेत्र में बड़ी बेटी प्रतिमा बाली के घर में हुआ। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*

अंबाला छावनी

श्री एस.के. मेहता तथा स. कुलदीप मेहता ने सूचना दी कि उन्हें नवंबर व दिसंबर का मोहयाल मित्र प्राप्त नहीं हुआ जिसका फोलोअप एक्शन सभा द्वारा किया जा रहा है। एम.एल. दत्ता जी ने सदस्यों को मोहयाल सभा करनाल से 18.12.2016 को वार्षिक मेले का आमंत्रण मिलने की सूचना दी, तथा सभा से दो सदस्य मेले में शामिल होने के लिए तैयार रहें यह तय हुआ।

वार्षिक मोहयाल सभा चुनावः सर्वसम्मति से मोहयाल सभा अंबाला कैंट की कार्यकारिणी की दो साल के लिए अवधि बढ़ाई गई।

(1) श्री आई.आर. छिब्बरः 5 दयाल बाग, अंबाला कैंट, प्रधान मो. 9416464488

(2) डिप्टी कमां. पी.आर. मेहताः 4 ट्रिब्यून बाग, अंबाला कैंट, वरिष्ठ उप प्रधान– मो. 8950966414

(3) श्री नरेश वैद : शशिव प्रताप नगर अंबाला कैंट, उप प्रधान मो. 9416754889

(4) एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता : 12 अग्रवाल कम्पलैक्स महासचिव– मो. 9896102843

(5) श्री डी.वी. बाली : 27, दयाल बाग अं.कैंट, सचिव मो. 9996470181

(6) श्री धर्मेन्द्र वैदः 104, दयाल बाग अं.कैंट, सचिव कोष मो. 9996076115

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर 900 रुपए, श्री एम.एल. दत्ता 700 रु., श्री धर्मेन्द्र वैद 700 रु., श्री डी.वी. बाली 500 रु., श्री नरेश वैद 500 रुपए और श्री पी.आर. मेहता 500 रुपए।

अगली मासिक मोहयाल मीटिंग श्री नरेश वैद जी ने 8.01.2017 को शाम 4 बजे अपने घर बुलाई है, जिसमें तंबोला गेम का प्रबंध होगा। इसके साथ ही जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्त हुई तथा दत्ता जी का धन्यवाद किया।

■ दिनांक 11.12.2016 शाम 4:30 बजे 12 अग्रवाल कंप्लैक्स निवास स्थान एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता, दस मोहयाल सदस्यों की मौजूदगी में, प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर जी की अध्यक्षता में, मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के साथ मासिक मोहयाल मीटिंग आरंभ हुई। महासचिव ने पिछली मासिक मीटिंग की कारवाई पढ़कर सुनाई सबने अनुमोदन किया।

श्रद्धांजलिः सदन ने निम्नलिखित मोहयाल बहनों की पवित्र आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की जिनका स्वर्गवास कुछ समय पहले हुआ था।

(क) श्रीमती बृजबाला छिब्बर पत्नी स्व. इंद्रसेन छिब्बर निवासी 256, बालमकंद खंड, कालकाजी दिल्ली, जिनका देहांत 26.11. 2016 को तथा क्रिया रस्म पगड़ी 6.12.2016 को हुई। वह श्री एम.एल. दत्ता जी की संघन (कुड़मनी) थी।

(ख) आदरणीय भाई महावीर छिब्बर जी, पूर्व गवर्नर मध्य प्रदेश जिन्होंने 2.12.2016 को चोला त्याग दिया। उठाला रस्म पगड़ी 5.12.2016 को दिल्ली में संपन्न हुआ। जीएमएस के उत्थान के लिए इनका योगदान अस्मरणीय रहेगा।

(ग) श्री भूषण दत्ता निवासी अशोक नगर, अंबाला कैंट की क्रिया–रस्म पगड़ी 10.11.2016 को मंदिर में हुई। वे अचानक हॉर्ट अटैक के शिकार बन गए।

बधाईः सदन ने श्री धर्मेंद्र वैद व सरिता वैद को उनकी बिटिया रिया वैद, को जीएमएस द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान 2016 के लिए बधाई दी तथा कु. रिया वैद के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोहयाल मित्र सदस्यताः सदस्यों को अवगत कराया गया कि जीएमएस मोहयाल मित्र व वार्षिक सदस्यता के इच्छुक भाई–बहन

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अपना शुल्क 200 रु. व 100 रु. साल 2017 के लिए सेक्रेटरी लेखा–जोखा, श्री धर्मेंद्र जी को जमा कर दें ताकि समय पर जीएमएस को भेज दिया जाए। जय मोहयाल के साथ सभा समाप्त हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 4.12.2016 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद सभा के वित्त–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी की निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से काफी सदस्य खन्ना में जो युवाओं के लिए कैरियर गाइडंस सेमीनार 27 नवंबर को हुआ, उसमें हिस्सा लिया। वहाँ पर कई महानुभावों ने युवाओं को अपना रोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरणा दी। सभा में आए हुए सभी सदस्यों को सूचित किया गया कि 18 दिसंबर, 2016 को करनाल में मोहयाल मेला में अवश्य पहुँचने की कृपा करें।

अंत में सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री बलदेव सिंह दत्त परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी, मो. 9466213488*

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा की मासिक बैठक दिनांक 4.12.2016 को सभा के प्रधान सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया।

शोक समाचारः सभा के सदस्य श्री शाम सुंदर बाली जिनका स्वर्गवास हो गया था सभा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा ने दो मिनट मौन रख कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करती है।

मोहयाल सभा खन्ना (पंजाब) द्वारा 27.11.2016 को आयोजित कैरियर कांउन्सलिंग का आयोजन किया गया जिसमें मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप से सतपाल बाली एवं अमित दत्ता ने भाग लिया था। सभा को खन्ना (पंजाब) में हुए प्रोग्राम के बारे में विस्तार से बताया गया तथा सभी मोहयालों से अपील है कि ऐसे आयोजनों में अपने बच्चों को जरूर भेजा करें। सभा ने मोहयाल सभा खन्ना (पंजाब) के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

श्री धर्मपाल छिब्बर जी के पोत्रों एवं श्री विवेक छिब्बर एवं विकास छिब्बर के पुत्रों के मुंडन के अवसर पर सभा छिब्बर परिवार को बधाई देती है।

सभा ने सभी मोहयाल परिवारों से अपील की साल 2017 के लिए मोहयाल मित्र लेने के लिए अपना नाम पता लिखवाएं एवं जीएमएस तथा लोकल सभा की भी सदस्यता लें।

सभा की अगली मासिक बैठक दिनांक 01.01.2017 को सतपाल बाली के गृह निवास 24ए, शिवपुरी कालोनी में सुबह 10:30 बजे आई.टी.आई. यमुनानगर में होगी।

सतपाल बाली, *सचिव*

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ व निदान

माँ धरती का रुप है तो पिता उस अनन्त–विस्तृत आकाश का, जो हमें जीवन और छत्रछाया प्रदान करता है। यह अनुभव मनुष्य का

वास्तविक 'धर्म' और बच्चों के लिए आनन्दपूर्ण अनुभूति है। वह एक निस्वार्थ और ईमानदार मार्गदर्शक है जो अपने बच्चों को जीवन में सफलतम और पूर्णतया सुरक्षित देखना चाहता है। जो उनका अनादर करते हैं, उसकी अनेक तीर्थ यात्राएं भी व्यर्थ सिद्ध होती है। हमारी धरोहर को यह अचानक क्या हुआ, हम कहाँ भटक गए? वही माँ अपने ही बच्चों द्वारा दी हुई पीडा से कराह उठी और वे अनन्त आकाश की छत्रछाया–पिता को सिर से हटाने को संकल्पित हो उठे। शायद इसलिए कि वे जो हमें जीवन मूल्यों की शिक्षा दे रहे थे हमारी संस्कृति को संजोए हुए थे वही हमें कंटक की भाँति चुभने लगे...। मेरी समझ में यह टकराव है दो पीढ़ियों की मानसिकता का। पुरानी पीढ़ी से स्वतंत्र, मानव धर्म से शून्य होकर जीने की इच्छा जन्म देती है, उस त्रासदी को... वृद्धाश्रमों को। वह वृक्ष इस आँधी से जूझता हुआ आज भटक रहा है अपमानित होकर। प्रश्न उठता है कि क्यों नहीं भावी पीढ़ी यह विचार–मंथन करती है कि उनके बच्चे जो उससे भी एक पीढ़ी और आगे का जीवन जीने वाले हैं, उनके हाथों उसका भविष्य क्या होगा? परन्तु त्रासदी है कि पिछली पीढ़ी ऋण अगली पीढ़ी को चुकाती है।

ऐसे वातावरण में वृद्धों के हृदय की पीडा को अनुभव करते हुए प्रयास करना चाहिए। इन्हें आश्रय देने का। ध्यान जिस मूल तत्व से नहीं हटना चाहिए व है उन्हें उनके परिवार में प्रतिस्थापित करने का प्रयत्न। इन दोनों पक्षों में जहां भी कमी है उन्हें अपने प्रयत्नों द्वारा दूर करने का और उनकी मानसिकता बदलने का प्रश्न है। साथ ही वृद्धाश्रम में उन्हें सम्मान सहित जीवन यात्रा के अंतिम पडाव में रहने दें। सरकार वृद्धावस्था पेंशन की राशि बढाएं। विदेशों में बसे बच्चे यहाँ माता–पिता को सुखद व सुरक्षित भविष्य दें। समाज के इस तिरस्कृत अंग को सुखद भविष्य देने का यही समय है।

डॉ. आदर्श बाली, *कुरुक्षेत्र*

आभार

श्रीमती शकुंतला मोहन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने आए सभी सगे–संबंधियों, शुभचिंतकों और मोहयालों के हम हृदय से आभारी हैं। दुःख के इस क्षण में आपकी संवेदनाएँ हमारे लिए संबल हैं।

हम उन सब संस्थाओं के भी आभारी हैं जिन्होंने श्रीमती शकुंतला मोहन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके संवेदना–पत्र हमें प्राप्त हुए। श्रद्धांजलि–सभा में इन्हें पढ़ा गया था।

आप सबके प्रति आभारी
ओ.पी. मोहन (पति), अजय मोहन–नीलिमा मोहन (पुत्र–पुत्रवधू)
अमीता जौहर–पुत्री

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री अशोक लव को लाइफ़ टाईम एचीवमेंट अवार्ड

क्रिएटिव वर्ल्ड मीडिया अकैडमी की ओर 3 दिसंबर 2016 को 'मीडिया लिट्रेसी कन्कलेव 2016' का आयोजन 'बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल मीडिया क्लब' के साथ मिलकर किया

गया। इस अवसर पर स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा बनाई लघु फ़िल्मों को प्रदर्शित किया गया। इसमें देश–विदेश के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर फ़िल्म निर्देशकों, प्रोड्यूसर्ज़, अभिनेता–अभिनेत्रियों आदि को सम्मानित किया गया। श्री अशोक लव को लेखक और कवि के रूप में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 'लाइफ़ टाईम एचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। श्री अशोक लव ने सम्मान प्राप्त करते समय विशेष रूप से श्री एस.एस. डोगरा और श्री संजय मिश्रा का धन्यवाद किया जो इस समारोह के आयोजक थे। देश में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित फ़िल्मों के प्रदर्शन का यह पहला अवसर था जिसकी श्री अशोक लव ने भूरि–भूरि प्रशंसा की और इन सभी फ़िल्मों को उन्होंने देखा भी था।

मोहयाल कवि-कवयित्रियों की कविताएँ आमंत्रित

मोहयाल कवि–कवयित्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी लिखी हुई पाँच–पाँच कविताएँ, परिचय और फ़ोटो के साथ 15 फरवरी तक भेज दें। इनके साथ अवश्य लिखकर भेजें कि ये आपकी स्वरचित रचनाएँ हैं। इन कविताओं को पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाएगा। श्रेष्ठ तीन रचनाओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रथम पुरस्कार : 1500 रु. द्वितीय पुरस्कार : 1100 रु.
तृतीय पुरस्कार : 501 रुपए

प्रत्येक कवि–कवयित्री को पुस्तक की एक प्रति भेंट की जाएगी। रचनाएँ भेजने का पता–

श्री अशोक लव, हिंदी संपादक– मोहयाल मित्र,
ए–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110067
फोन : 011-41783232, +91-9599398023

'क्षितिज'

उठ भोर सवेरे खड़ा हुआ मैं, उच्च शिवालिक शिखरों पर,
दूर पहाड़ी पीछे देखा 'क्षितिज', आलिंगन धरती और गगन का।
मैं अनाडी बढ़ा अगाड़ी, पाने को युगल छवि प्यारी,
सुन आहट मेरी प्रेमी छिटके, अभिलाषा मेरी रही अधूरी।

ज्यों–ज्यों मैं शिखर फांदता, 'क्षितिज' दूर हो जाता उतना,
यों उषा ने सोखी शबनम और मैंने छोडा बचपन अपना।
उठ भोर सवेरे खड़ा हुआ मैं, उच्च शिवालिक शिखरों पर,
दूर पहाड़ी पीछे देखा 'क्षितिज', आलिंगन धरती और गगन का।

उठ भरी दुपहरी खड़ा हुआ मैं, मय–दानव के जंगल में,
दूर दिखा, झुका अम्बर, धरा अधर पर चुम्बन लेने।
मैं निर्लज बढ़ा अगाड़ी पाने 'क्षितिज' प्रेम छवि न्यारी,
ठिठकी धरा, छिटका अम्बर, मै अमर्यादित बढ़ा निरन्तर।

ज्यों–ज्यों मैं आगे बढ़ता, 'क्षितिज' उतना आगे बढ़ जाता,
यों रवि ने छोड़ी यौवनाई और मैंने अपनी अशनाई।
उठ भरी दुपहरी खड़ा हुआ मैं, मय–दानव के जंगल में,
दूर दिखा झुका अम्बर, धरा अधर पर चुम्बन लेने।

उठ अस्ताचल भास्कर सांझ, मैं खड़ा मध्य जननिधि अगाध,
नील व्योम, नील जलपार 'क्षितिज' मिल रहा वसुधा से।
मैं प्रमादी बढ़ा अगाड़ी, पाने को अप्रियतम छवि बलिहारी,
अदृश्य प्रेमी बढ़ा तिमिर, मैं कलंकित खड़ा निरूत्तर।

ज्यों–ज्यों मैं हुआ अग्रसर, कुछ भी देख न पाया,
'क्षितिज' 'मृगमरीचिका' है, अब मन अबोध समझ पाया।
उठ अस्ताचल भास्कर सांझ, मैं खड़ा मध्य जलनिधि अगाध,
नील व्योम, नील जलपार, 'क्षितिज' मिल रहा वसुधा से।

विशेष: 1. धरती माता, आकाश पिता समान है। माता–पिता के अन्तरंग सम्बन्ध देखना सुनना व कहना पाप है। 2. मय दानव का जंगल अर्थात् मय दन्त का खेड़ा–मेरठ क्षेत्र।

अशोक कुमार दत्त,
अध्यक्ष अखण्ड भारत निर्माण समिति मेरठ
मो. 7417023338

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ एवं निदान'

हम कौन थे, क्या हो गये, क्या होंगें अभी?
आओ मिल विचारें, समस्याएँ सभी।

'मैथिली शरण गुप्त'

आज प्रत्येक बुद्धिजीवी के मन में एक ज्वलंत प्रश्न है– कि बुढ़ापे की लाठी कौन बनेगा? अकलेपन का सहारा कौन होगा? बिमारी और वृद्धवस्था में सेवा कौन करेगा? आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा कौन करेगा? मरने पर कंधा कौन देगा? हमारे सम्मान का क्या होगा?

उत्तर स्पष्ट है, हमारा परिवार, बच्चे और साथी। बदलते समय और आयु और परिस्थितियों के साथ सभी कुछ बदल जाता है। तन अशक्त, मन कमजोर और धन से पराश्रित। अब पूछे कौन? परिवार के वृद्धजन धीरे–धीरे भगवान को प्यारे हो गये। साथी बिछुड़ गये। नौकरी पूरी हो गई। लड़की ससुराल चली गई। संयुक्त परिवार टूट कर एकाकी हो गये। एक ही आशा, सहारा बचा लड़का और उसका परिवार। जिस परिवार में लड़का नहीं उनकी स्थिति अधिक चिंताजनक है।

हर माँ बाप की इच्छा होती है कि मेरे बच्चे बड़े होकर अच्छी नौकरी करें, सक्षम बनें। अब बच्चे नौकरी करने दूर चले गए या विदेश चले गए। उनका परिवार दूर हो गया। तब लड़का चाहे भी तो आपकी समस्या का समाधान नहीं कर सकता। ऐसी परिस्थिति में क्या करना होगा? विचारणीय है। ध्यान रहे अपने प्रयास को जीवन के आरंभ काल से ही शुरु करने चाहिए। वृद्धावस्था में होश आया तब क्या हुआ? कोई फायदा नहीं होगा। ''क्या वर्षा जब कृषि सुखाने समय चूकि पुनि का पछिताने।''

निदानः- आर्थिक रुप से सशक्त रहने के लिए अपने लिए इतना धन बचाकर रखिए जिससे बुढ़ापे की आवश्यकताएं पूरी हो सके। पराश्रित न होना पड़े।

बच्चों को बचपन से काम करने की आदत डालें, बड़ों का आदर करें, बुरी आदतों जैसे नशा, कामचोरी, दुर्व्यवहार आदि से बचाकर रखें। प्राचीन लोकोक्ति है ''खिलाइये जवाई की तरह, नजर कसाई की तरह''। वह अपने पैरों पर खड़े हो, अपने–अपने परिवार और आपका ध्यान रख सकें। इतने सक्षम एवं संस्कारी बनें। अच्छी शिक्षा दें। अपने एकांत को दूर रखने के लिए अपनी सामाजिकता को कभी न छोड़े, न भूलें सदा याद रखें ''मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अपने आस–पड़ोस, भाई–बहिन, समुदाय, और साथियों के दुःख सुख के साथी बनें। दूसरों की मदद करें। जिससे समय भी अच्छा बीतेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और सबसे जुड़े रहेंगें। सभा, सत्संग कार्यकर्मो में भाग लें।

समय और परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढाल लें। नई टेक्नालोजी को सीखने से परहेज न करें। मोबाइल, कम्प्यूटर को सीखना जरूरी है क्योंकि आज हर काम इन्हीं से होता है और दूर रहते परिवार से भी जुड़े रहते हैं। समय के साथ व्यवहार में मधुरता लानी चाहिए। बच्चों पर विश्वास करें। उनकी मजबूरियों को भी समझना होगा।

''जीवन में इतना कमाओ कि बेटे की शादी में दहेज मांगने की नौबत न आए। और बेटी को इतना पढाओ कि दहेज देने की जरूरत न पड़े।''

'शबनम बाली दत्ता'

ये कुछ ऐसे गुण हैं जो वरिष्ठ जीवन को सुखी शांत एवं सम्मानित बना सकते हैं। यही सच्चा गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास है। और यही सच्चा धर्म है। स्वयं सुखी रहें और परिवार समाज और राष्ट्र पर भार न बनें। याद रहें बुढ़ापा बीमारी नहीं है अपितु अवस्था है।

''औरों को हँसते देखों मनु, हसो और सुख पायो,
अपने सुख को विस्तृत कर लो, जग को सुखी बनाओ।''

'जय शंकर प्रसाद'

''सर्वे भवन्तुः सुखिनाः ***नूतन वाशिष्ठ 'लौ',*** *वसंत विहार, देहरादून*
मो. 7017743516

पत्र

सेवा में

संपादक (हिंदी) अशोक लव
मोहयाल मित्र (जी.एम.एस), नई दिल्ली

विषयः वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ व निदान के परिणाम बारे

उपरोक्त विषय के संदर्भ में आपकी सेवा में लिखा जाता हूँ, उपरोक्त विषय पर कुल पाँच रचनाएँ ही निर्धारित तिथि तक प्राप्त हुई। इनमें से एक निर्धारित नियमानुसार न होने के कारण अयोग्य मानी गई, शेष चार प्रतियोगिता में सम्मिलित की गई। चयन समिति ने तीन का चयन किया जो निम्न प्रकार से हैं।

1. डॉ. श्रीमती आदर्श बाली, कुरूक्षेत्र	प्रथम	5000 रु.
2. श्रीमती नूतन लौ (वाशिष्ठ), देहरादून	द्वितीय	3000 रु.
3. जी.एस. बाली, दिल्ली	तृतीय	2000 रु.

विजेताओं को आयोजक द्वारा पुरूस्कार चेक द्वारा दिए जाएंगे।

बलदेव कुमार बाली, *प्रेमनगर अंबाला शहर, मो. 9873858557*

अशोक कुमार दत्ता का निधन

अशोक कुमार दत्ता पुत्र स्वर्गीय उषा दत्ता एवं स्वर्गीय वेद प्रकाश दत्ता यमुनानगर का स्वर्गवास दिनांक 6.11.2016 को हो गया है।

शोकाकुलः रमा दत्ता (पत्नी), प्रभात दत्ता, तुषार दत्ता (पुत्र)
राजकुमार दत्ता, अरविन्द कुमार दत्ता (भाई)
संगीता दत्ता, मेघा दत्ता (भाभी)
व समस्त दत्ता परिवार!

परिवार ने उनकी आत्मा की शांति के लिए 250 रु. लोकल सभा और 250 रु. जनरल मोहयाल सभा को भेंट किए।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल, मोह्यालियत और इतिहास-11
वैद और दत्त जातियों में सगोत्र विवाह

पिछले लेखों में हमने बताया है कि सब मोहयाल जातियाँ ऋषियों की सन्तानें हैं और प्राचीन काल में सब ब्राह्मण वंश, अपने गोत्र और वेद–शाखा द्वारा, अपनी–अपनी अलग पहचान बनाये रखते थे। इसी पहचान से सगोत्र (एक ही गोत्र में) विवाह नहीं होते थे। भारत में इस्लाम आने के पश्चात ब्राह्मणों/हिंदुओं ने अपनी सांस्कृतिक रक्षा के लिए अपनी सामाजिक परम्पराओं में कुछ फेर बदल किए। अब एक विशेष गोत्र और शाखा वाले कुल ने अपनी पहचान और भी स्पष्ट, तथा सर्व–विदित, करने के लिए अपने कुल को एक विशेष संज्ञा दे दी और उसको अपने नाम के साथ जोड़ दिया, जिसको अब जाति या Caste कहते हैं। उस कुल का हर एक वंशज अपना नाम बताते समय अपने कुल की पहचान भी साथ ही बताने लगा। उदाहरणार्थ, पुराने भृगु वंश और यजुर्वेद की माध्यन्दिनी शाखा का "चंद्र प्रकाश" नाम का व्यक्ति अब "चन्द्र प्रकाश छिब्बर" हो गया। कालान्तर में पहचान के लिए जाति का महत्व बढ़ता गया और अब सब उसे "सी.पी. छिब्बर" से ही अधिक जानते हैं: उसकी मुख्य पहचान "छिब्बर" है और "चन्द्र प्रकाश" गौण है।

इस धार्मिक पद्धिति को सुरक्षित रखते हुए, उस समय एक और सुधार हुआ। मनु स्मृति के अनुसार हिन्दू अपने वर्ण के अंदर, परन्तु अपने गोत्र के बाहर, विवाह करते थे। अब एक ही वर्ण की कुछ, जानी पहचानी, जातियों ने मिलकर अपनी बिरादरियां (या जाति–समूह) बना लिये और निश्चय किया कि वह विवाह अपनी बिरादरी के अंदर ही करेंगे। हर बिरादरी में प्रायः एक गोत्र की एक ही जाति थी।

1026 में पंजाब में मोहयाल शासन समाप्त हो गया परन्तु शेष हिन्दू राजे इन कबीलों को राजवंशी मानते थे। बक्शी रतन चन्द वैद द्वारा लिखित "इस्लाहे मोहयाली 1908" (पृ. १८) के अनुसार जब कन्नौज के राजा जयचंद ने राजसूय यज्ञ किया तो इस राजवंश से जुड़े कबीलों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया। वहाँ पर इनको "राय" की उपाधि दी गयी। वहाँ पर ही इन्होंने अपनी सात जातियों को बाली, भीमवाल, छिब्बर, दत, लौ, मोहन और वैद नाम दिए और इन सात जातियों की "मूहियाल बिरादरी" का गठन किया। यह जानकारी मान्य लगती है क्योंकि उस समय सारा हिन्दू समाज इसी प्रकार जातियों और बिरादरियों में बँट रहा था। (मोहयाल मित्र उर्दू में छापने से 'मूहियाल' का उच्चारण 'मोहयाल' हो गया)।

हर नियम का प्रायः एक अपवाद भी होता है। जब सात जातियों की मूहियाल बिरादरी बनी तो उसमें सम्मिलित 'दत' और 'वैद' इन दो जातियों का गोत्र 'भरद्वाज' था। कहा जाता है कि उस समय यह असंगति सामने लाई गयी थी परन्तु जो भी कारण रहे हों, इन दोनों जातियों के आपसी विवाह की प्रथा को रोका नहीं गया। 1908 की मोहयाल कॉन्फ्रेंस में यह समस्या फिर नेतागणों के सामने रखी गयी और बहुत विचार विमर्श हुआ पर यथा स्थिति बनी रहने दी गयी। सम्भवतः मोहयाल बिरादरी की थोड़ी संख्या के कारण रिश्ते–नाते की कठिनाई भी ध्यान में रही होगी।

यह प्रथा आरम्भ कैसे हुई होगी, इसका केवल अनुमान लगाया जा सकता है। दीर्घकाल तक भारत में बौध धर्म का प्रभुत्व रहा। उससे वैदिक धर्म की मान्यतायें शिथिल पड़ गयी थीं। सम्भवतः उस काल में इन दो सगोत्र कबीलों में आपसी विवाह होने लगे हों। एक और अनुमान भी है। काबुल के दत्त और पंजाब के वैद शासकों में बहुत ही घनिष्ट राजनीतिक सम्बन्ध थे और उनमें आपसी रिश्ते भी रहे हों। इस उदाहरण से इस सगोत्र विवाह की प्रथा को स्वीकृति या पुष्टी मिली हो।

प्राचीनकाल में जो कुछ भी हुआ दो तथ्य अब निर्विवाद है। सभी मोहयाल इतिहासकार इस बात पर सहमत है कि दत्त और वैद जातियों का गोत्र भरद्वाज है। देखियेः रायज़ादा हरिचन्द वैद (गुलशन मोहयाली भाग 2 पृ. 52 और 172), चौधरी चुन्नीलाल दत्त, (पृ. 95 और 176), पी.एन. बाली (पृ. 102 और 128), डा. लज्जा देवी मोहन (हमारे पूर्वज प्रमुख ऋषि पृ. 90)। इस विषय पर कोई भ्रम नहीं है।

पी.एन. बाली यह भी लिखते हैं (पृ. 128): "Notwithstanding the controversy in the past over Bhardwaj being the common gotra, marriages between the two castes are not considered profane and are consumed freely ..... The confusion on the above point has been completely set at rest, with the acceptance of Dhanwantri as the gotra of Vaids by all concerned." वैदों द्वारा धन्वतंरी को गोत्र ऋषि मान लिए जाने से एक प्रकार से समस्या का समाधान हो गया है।

दूसराः इस स्थिति को अब परिवर्तित नहीं किया जा सकता और न ही यह समस्या किसी प्रकार से विकट है। दीर्घकाल से चली आ रही इस कुप्रथा को मोहयाल समाज से मान्यता प्राप्त है। जो वैद भाई/बहन धन्वंतरी को गोत्र मानकर दत्त परिवार से रिश्ता करना चाहते हैं वह भी स्वतंत्र हैं और बिरादरी की ओर से कोई आपति नहीं। जिनको सगोत्री विवाह धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध लगते हैं वह इससे दूर रहें– उनके लिए कोई मजबूरी नहीं।

इस पृष्ठभूमि की जानकारी न होने के कारण यह प्रश्न सामने आता रहता है। जनरल मोहयाल सभा इस विषय में अब कुछ नहीं कर सकती। स्थानीय सभाएं गोष्ठी द्वारा सबको जानकारी देती रहें और इस श्रृंखला के ग्यारह लेखों (फरवरी 2016 से जनवरी 2017) को पुस्तिका के रूप में एकत्रित करके कभी कभी सभा में पढ़ते रहें तो उनके सदस्यों को अपने पूर्वजों के गौरवशाली इतिहास के सम्बन्ध में पता चलता रहेगा। मोहयाल मित्र ऑनलाइन से भी यह लेख डाउनलोड किये जा सकते हैं।

आर.टी. मोहन, पंचकुला (मो. 09464544728)

श्रीमती कृष्णा लौ की पुण्य-तिथि

श्रीमती कृष्णा लौ का निधन 20 दिसंबर 2009 को हुआ था। उनकी पुण्य–तिथि के अवसर पर परिवारजन ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

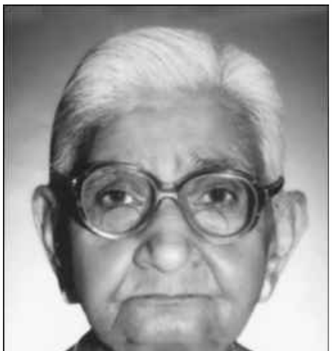

वे श्री आसकरण वैद और श्रीमती सरस्वती वैद की सुपुत्री श्री बालकृष्ण लौ की पत्नी थीं। वे धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्हें अनेक भजन कंठस्थ थे। वे मधुर गायिका और बहुमुखी प्रतिभा–संपन्न महिला थीं। जीवन के अनेक उतार–चढ़ावों के मध्य वे संघर्ष करती रहीं और धैर्य बनाए रखा। उनके संस्कार और अनुशासन का प्रभाव उनकी संतानों पर पड़ा।

उनकी पुण्य–तिथि पर श्री अशोक लव और श्रीमती नरेश बाला लव, श्री रमन मेहता और श्रीमती लिलि मेहता, श्री कमलकांत मेहता और श्रीमती सुमन मेहता, श्रीमती सुषमा शर्मा और श्री प्रकाश शर्मा, श्रीमती अनीता शर्मा और श्री दिनेश शर्मा की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि!

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor